

बैंगन

मृदा, खाद एवं उर्वरक:

अच्छे जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। भूमि का पी.एच. मान 6 से 7 के बीच उपयुक्त है।

खाद व उर्वरकों का प्रयोग करने से पहले निकटतम कृषि विज्ञान केंद्र या जिला कृषि विभाग की मृदा प्रयोगशाला से मिट्टी की जांच करवा लेनी चाहिए। मिट्टी की जांच के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। खेत की तैयारी के समय 25 टन हेक्टेयर की दर से अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर या कम्पोस्ट की खाद मिट्टी में मिला दें। रोपाई से पहले लगभग 60 किग्रा. फास्फोरस व 60 कि. ग्रा. पोटैश की मात्रा तथा 150 किग्रा. नत्रजन की आधी मात्रा अंतिम जुताई के समय मिट्टी में मिला दें तथा बाकी आधी नत्रजन की मात्रा को फूल आने के समय प्रयोग करें।